

असाधारण Extraordinary

NWI II—wvs 2—sy-wvs (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

♥. 617 } No. 617) नई विस्ती, सोनवार, विसम्बर 5, 1988/अवहायन 14, 1910 NEW DELHI, MONDAY, DECEMBER 5, 1988/AGRAHAYANA 14, 1910

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संदया वी जाती हैं जिससे कि यह असन संकारत के रूप में रचा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

रेल मंत्रालय

(रेलवे वोई)

नई दिल्ली. 5 दिसम्बर, 1938

मधिसञ्जनाएं

सा.का.ति. 1118(भ्र):---प्रविद्यात के भतुब्छैर 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त तक्तियों का प्रयोग करते हुए , राष्ट्रपति जो भारतीय रैन स्थापन सहिता, जिल्द-I (पंचम संस्करण, 1985) के नियम 103(5) में भ्रमुलराक के भ्रनुभार संशोधन करते हैं।

ये संबोधन 01-01-1987 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई(पो एक ए) II/86/मार एस 15]

ध**न्**लानं**न** 

पष्ठ 1, नियम 103(5)--"अधित वैतम"

इस नियम के वर्तमान दिशोय परण्डुक को निम्ननिश्वित द्वारा प्रति-स्थापिन करें:---

"और भागे यह भी कि रॉनग मते के हरुवार रेल सेवर्कों के मामले में छुट्टो बेतन के प्रयोजनायं औसत बेनन में, समय-समय पर प्रशासनिक धनुरेशों के माध्यम से संरकार द्वारा यदा धिस्कित रातिग भन्ने में वेतन तत्व का धोतक, एक निश्चित संघटक शामिल होगा ।"

# MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 5th December, 1988

G.S.R. 1118 (E):—In exercise of the powers the conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 103 (5) of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Fifth Edition, 1985) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

[No. E. (P&A) II/86/RS/15.]

# ANNEXURE 'A'

Page 1, Rule 103(5)—'Average Pay'.

Substitute the following for the existing second proviso to this Rule:—

"Provided further that in the case of raillay servants entitled to running allowance, average pay for the purpose of

leave salary shall include a fixed component representing the pay alemant in the case as allowances as notified by the Government through administrative instructions from time to time.

सा.का.ति. 1119(प्र).--संविधात के प्रतृष्टेर 309 के परम्तुक द्वारा प्रदत पश्चित्यों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्राति जी भारतीय रेस स्थापन तहिता, जिल्द-I (प्रयम गृतर्नुहर्ग) के तियम 401 में प्रतृत्यनक के प्रतृतार संशोधन करते।

ये संयोधन 01-07-1959 से नगानी हों।

[सं. ई(वी एंड ए) II/ 86/मार एस 15]

## वन्दंध

ध्रप्रिम सुद्धिपन्न सं. 426 स्था. I

वियम 401

वर्तमान उप नियम (4) को निम्नक्षितिक द्वारा प्रतिस्थापित किया बाए: ---

वेतम से प्राधिमान भारतीय रेल स्थापन लेहिता, जिल्द-II के मियम 2003(21)(क) [मू. नि. १(21)(क)] में परिप्राधित वेतन से है। चालन कर्मचारितृग्य के मामले में कर्मचारी के बेतन में प्राधिकृत वेतनमान में वेतन के 25 प्रतिशत को भी चालन कर्त में बेतन शर्व के क्य में सामिल किया चाएगा ।

[प्राविकार :--रेस- मंत्रालय का दि. 22-5-1961 का पत सं. पी सी-60/धार ए-2/1]

स्परदीकरण:---

मारतीय रैल स्वापन लेहिता, जिल्द- (प्रयम पूनमूँवल-1971 संस्करण) के नियम 401 को राष्ट्रपति के मनुमोबन से जारी 1-7-59 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के माड्यम से आफोजित किया गया है। इसरे केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा संस्तुत प्राविद्धत वेतनमार्थों को लानू करने के कारण इन अनुदेशों को आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का माश्य प्रशासनिक अनुदेशों को आवश्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का माश्य प्रशासनिक अनुदेशों को उती तारोख से कानूमी प्रवित प्रवान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जात। है कि इन निजमों के भूगनशो प्रभाव से कियो भी कर्मवारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिहुत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1119(E):—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amondment will be effective from 01-07-1959.
[No. B(P&A) II/86/RS/15]

# ANNEXURE ...

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 426 R.I. RULE 401

The existing sub-rule (4) may be substituted by the following:—

" 'Pay' mans pay as defined in Rule 2003(21)(a) [FR. 9(21)(a)] of the Indian Railway Establishment Code, Volume-II. In the case of Running Staff, Pay shall also include 25% of pay in the archerised Scales of Pay as the pay element in running allowance."

AUTHORITY: (Ministry of Railways' letter No. PC-60/ RA-2/1 dt. 22-5-1961.)

#### **EXPLANATION:**

The Rule 401 of Indian Railway E3tablishment Code, Volume I (Ist Reprint—1971 Edition) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-7-59. These instructions were necessitated by the introduction of the authorised scales of pay recommended by the Second Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.ति. 1120(प्र).—विन्यात के प्रपृष्टि 309 के परस्तुक द्वार प्रवत्त विन्तर्यों का प्रयोग करते तुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेख स्थापन संक्षिता, जिल्ला, (प्रयम पुतर्मुद्दण) के नियम 401 में प्रमुखनक के अनुसार संबोधन करते हैं।

ये संबोधन 01-02-1963 से प्रभावी होंने।

[तं• दें (पो एंड ए) II/86/पार एस 15]

## अनवध

धर्मिम मुख्यित सं. 427 स्था. I

नियम 401

कर्तमान उप नियम (4) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया।

"बेतन" से अस्तियाय भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्क-IJ (प्रथम पुनर्सूद्रण-- 1971 संस्करण) के नियम 2003 (21)(क) [मू.नि. 9 (21)(क)] में परिभाषित बेतन से हैं। शासन कर्मवारिक्टर के माधले में कर्मवारी के बेतन में प्राधिकृत वेतनमान में वेतन के 40 प्रनिश्चन की भी बालन भरी में वेतन तत्व के रूप में शामिल किया जाएगा।

[प्राधिकार:---रेल मंत्रालय का दि. 7-3-63 का पत्र सं. पौ सौ-60/ मार. ए. 2/1]

स्पद्धीकरण:---

कारनीय रेन स्थापन सेहिना, जिन्द-I (प्रयम प्तर्नुत्रम-1971 संस्करण) की नियम 401 की राष्ट्रपति के अनुमोदन से जारी 1-2-63 में प्रथानी प्रश्नामिक अनुदेशों के मान्यम से आशोधित किया गया है। दूसरे केन्द्रीय बेतन आयोग द्वारा संस्कृत प्राधिक ने नेतनानों को लागू करने के कारण इन अनुदेशों को धानस्यकता पड़ी थी। इस संसोधन का भाग्य प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीक से कानूनी शक्ति प्रयास करना है, जिस तारीक से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन निवमों के मूननशो रमाव से किसी भी कर्नदारों पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रमाय नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1120 (E):—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the cConstitution, the President is pleased to amend Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-02-1963.

[No. E (P&A) II/86/RS/15]

# **ANNEXURE**

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 427 R.I.

RULE 401

The existing sub-rule (4) may be substituted by the following:

"Pay means pay as defined in Rule 2003(21)(a) [F.R. 9 (21)(a)] of the Indian Railway Establishment Code, Volume II

In the case of Running Staff, Pay shall also include 43% of pay in heart horized Scales of pay as the pay lement in running allowance."

AUTHORITY: (Ministry of Railways letter No. PC-60/-RA-2/1 dt. 7-3-1963).

# **EXPLANATION:**

The Rule 401 of Indian Railway Establishment I (1st Reprint-1971 Code. Volume through administrative instruchas been modified with President's approval effective tions issued These instructions were necessitated from 1-2-1963. by the instroduction of the authorised scales of pay recommended by the Second Central Pay Commission. The purpose of this amondment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1121(य):--पंत्रिवात के श्रतुक्वेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवस समित्यों का प्रतीग करते हुए, राष्ट्रगति जी भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्द--- (प्रथम पुनर्गृत्रण) के नियम 401 में सनुतानक के श्रतुतार संबोधन करते हैं।

वे संतीवन से प्रमानी होंने ।

सिं, दे (पो एंड ए) 11/86/प्रार एस 18]

# धन्दंध

ग्राप्तिम गुडिएत सं. 431 स्था. 1

नियम 481

कर्तमान उपनियम (4) को निम्निशिखत द्वारा प्रतिस्थापित किया वारी:---

"बेतन" से श्रभिन्नाथ भारतीय रेल स्मारता संदिता, जिल्ब-1 के नियम 2003 (21) (क) मू. नि. 9/21 (क) में परिमाषित बेतन से हैं। चालन कर्मचारोज्न्य के मामने में, कर्नवारी के बेतन में संशोधित बेतनमान में बेतन का 30 प्रतिकृत भी चालन करों में बेतन के कप में शामिल होगा।

[प्राप्तिकार:—रेल मंत्रालय का दिनांक 22-3-1976 का पत्र तं. पी. सी. 3/75/मार. ए.]

# स्पष्टीकरण:

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द- (प्रथम पुनर्मुवच-1971 संस्कर्ण) के नियम 401 को राष्ट्रपति के अनुमोधन के जारी 1-4-1976 से अभावी प्रवासनिक अनुदेशों के माध्यम से आयोधित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतम आयोग द्वारा संस्तुत संगोधित वेतममानें को सायू अरने के जारण इन अनुदेशों को आवश्यकता पड़ी थी। इस संगोधन का आक्रय प्रवासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से जानूनी शक्ति प्रवान करना है, जिस सारीख से उन्हें जारी किया गया या। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलको जमाव से किसी भी कर्मजारी पर जिस पर ये नियम सागू होते हैं, प्रतिकृत प्रवान नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1121(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 401 of Indid Railway Establishment Code, volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E(P&E)II/86/RS/15]

# ANNEXURE

# ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 431 R.I.

#### RULE 401

Threxisting sub-rule (4) may be substituted by the following:
"Pay' means pay as defined in Rule 2003 (21)(a) [FR. 9(21)
(a)] of the Indian Railway Establishment Code, Volume
II. In the case of Running Staff, Pay shall also include
30% of pay in the revised scales of pay as the pay element
in Running Allowance."

AUTHORITY: Ministry of Railways letter No. PCIII (75/ RA-1 dt. 22-3-1976).

#### **EXPLANATION:**

The Rule 401 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Ist reprint) has been modeled from 14th respective from 1-4-1976. There instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is contribed that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. सा. ति. 1122 (प्र):---पंतिप्राप्त के प्रतृष्केश 309 के परण्युक हारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग कड़ी दूर, राष्ट्राप्ति को पारतोत रैक स्थापन संहिता, जिल्द-∄ (प्रचम संस्करण, 1985) के नियम 403 (1) में अनुलग्नक के प्रमुखार संबोधन करते हैं।

में संबोधन 01-01-1987 से प्रवासी होंने /

[सं. ई (नो एंड ए) 11/86/मार एम 18]

# चनु नम्म स

# **प**िंद्र ने. 11

पृष्ठ 63, नियम 603 (1)--"प्राधिक्षत निर्दिश परिनाति को परि-

"दिष्यच" में वर्तनान मद (1) को निमानि बित द्वारा निश्विति करें --

"रॉनिंग कर्मचारियों के मामले में समय-समय पर प्रशासिक धनुवेलों के माध्यम से सरकार द्वारा यथा प्रशिम्लिक रॉनिंग भारते में बेतन तरक का छोत्ता एक निश्चित संबद्ध ।"

G.S.R. 1122(B),—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 603(1) of Indian Railway Establishment Cods, Volume I (Fifth Edition), 1985 as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

[No. E./P&A)/II/86/RS/!5]

# ANNEXURE

Page 63, Rule 603(1)—'Definition of Authorized Medical Attendants'.

In the 'Note' substitute the following instead of the item (i):-

"In the case of running staff fixed component representing the Pay element in the running allowance as notified by the Government through administrative instructions from time to time."

सा. का. ति. 1123 (म):--संविद्धान परन्तुक द्वारा प्रवत्तः मिनियो का प्रयीच 🗲 . के भनुष्छेर 309 के रैल स्थापन संहिता, जिल्द-1 ( प्रकृष्ट ारते हुए, राष्ट्रवृति जो भारकोय भनुलामक के भनुसार संबोधन 💌 , पुनर्तुक्षण ) के नियम 712 में ⊬रते हैं।

ये संतोधन 01-04

-1976 से प्रमाबो होंगे।

[सं. ई (पी एंड ए) 11/86/मार एस 15]

धप्रिम मुख्यित सं. 432 स्था. 1

**लियम** 712

एप नियम (5) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थानित रिया आये:---

"अनेसत वेतन" का मभिप्राय संशोधित वेतलमान में लिये गये बेतन से है, प्रयवा वह वेतन जो एक रेस सेवक द्वारा प्रधिष्ठायो इस्य के अपने स्थायी पद पर खुट्टी लेने की तारीका से पहले की तारीख को लिया जाये परन्तु चालन भत्ते के हकदार कर्मचारि-वृत्य के वेतन में, जिस नहीने रेल सेवक सृष्टी पर जाता है उस महीने के सरकास पूर्व के बायह महीनों की प्रविध के धौरान भाजित भीसत चालन मरी उसी भवधि में लिये गये बेतन के भौसत के प्रधिकंतमं 45 प्रतिवात की वार्त के पंध्यप्रीन सामिल किये जायेंगे। एक मास से मनविक छुट्टी के मामलों में एक बार निर्दारित भीसतन बाजन बता वित्त वर्ष की भेष भवदि में साग्

प्रिाधिकार : रेल मंत्रालय विनांक 22-3-1976 का पत्न सं. पी सी 3/75/**पार. ए**/1]

स्पष्टीकरण:---

चारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्ब-I (प्रथम पुनमेद्रण---1971 संस्करण) के नियम 712 को राष्ट्रपति के धतुमोदन से जारी 1-4-1976 से प्रभावी प्रशासनिक धनुदेशों के माध्यम से घाशोधित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन प्रायोग द्वारा संस्तुत संबोधित वेतनमानों को सामू करने के कारण इन भनुदेशों की मावश्यकता पड़ी थी। इस संबोधन का माला मगासनिक मनुदेशों को उसी तारोख से कानूनी शक्ति प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें चारी किया गया था। यह प्रमा-णित किया जाता है कि इन वियमों के भूतलक्षी प्रमाद से किसी भी कर्मभारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रशिक्षत प्रभाव नहीं मक्षेगा ।

G.S.R. 1123(E). -- In exercise of the powers conferred by the provide to Article 309 of the Constitution, the President is plea ed to amend Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E (P&A)II/86/RS/15]

# ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 432 R.I.

**RULE 712** 

The sub-rule(5) may be substituted by the following:

"Average Pay' means the pay drawn in the revised scales of pay, or that would be drawn by a railway servant in the permanent post held substantively by him on the date preceding that on which he proceeds on leave provided the at the pay of waff antitled to running allowance shall include the average running allowance carned during the 12 me nths im notifately preceding the month in which a railw'ay servant proceeds on loave subject to a maximum of 45 % of average of the pay drawn for the same period, the average running allowance once determined remaining in operation during the remaining part of the financial year in cases of leave not expeeding one month."

AUTHORITY: (Ministry of Rajways letter No. PC-III/75/-RA/I dated 22-3-1976).

## **EXPLANATION:**

The Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (1.t reprint) has been modified through admin atrative instructions issued with President's approval effortive from 1-4-1975. These in tructions were necessitated by the introduction of the revised a ales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendmenti; to give tututory force to the admin strative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is cortifled that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1134(अ).--संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त मनिनयों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रवृति जी भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-1 (प्रथम पुनर्गुद्रण) के नियम ११२ में भनुत्रमन्त के भनुसार संशोधन भारते हैं।

ये संशोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं 🕏 (भी एंड ए) 11/86/प्रार एस 15]

# भनुजंध

ऋषिभ मुख्यात सं. 440 स्या. 1

नियम 712 पर नियम (5) को निम्नलिखन द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :---

> "आसित वेतनका अभिप्राय है कि वह वैतन जो रेल सेवक द्वारा क्रक्षिष्ठायी अप में क्रपने स्थायी पद पर खुट्टी लेने को तारीख से पहले की तारीबाको निया गया हो परस्तु वालन मले के हकदार कर्मकारिवस्य के वैतन में, कालन मते में बेतन तस्य के रूप में संशोधित वेतनमान में बेतन का 30 प्रतिशत भी शामिल होगा ।

[प्राधिकार: रेल मंत्राजय का दिवांत 17-7-1981 का पत्र सं. ई (पी एंड ए) 2/80/मार एस-10) .

# स्पष्टीकरण:

भारतीय रेल स्थापन संहिता के नियम 212 को राष्ट्रपति के भ्रममोदन से ज़ारी 1-8-81 से प्रभावो प्रशासनिक प्रनुदेशों के माध्यम से धाशोधित किया गया है। चालन मर्जी समिति (1980) की सिकारिकों पर भरकार द्वारा लिये गये विनिश्वयों के कारण इन अनुदेशों को प्रावस्यक्षता हुई थी। इस संगोधन का फामय प्रशासनिक प्रतुदेशों को उसी सारीख से नानुनी अनित प्रदान अपना है, जिस सारीख से अन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इत नियमों के भूतलकी प्रभाव से किसी ची कर्मजारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव महीं पहेगा ।

G.S.R. 1124 (B).—In exercise of the powers conferred by the provise to article 303 of the Constitution, the President is pleased to a mend Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No.E(P&A)II/86/RS/15]

# ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 440 R.I.

#### **RULE 712**

The sub-rule (5) may be substituted by the following:

"'Average Pay' means the pay drawn or that would be drawn by a railway servant in the permanent post held substantively by him on the date preceding that on which he proceeds on leave; provided that the pay of staff entitled to running allowances shall also include 30% of pay, in the revised scales of pay as the pay element in running allowance."

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981].

# **EXPLANATION:**

The Rule 712 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-3-1931. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. ति. 1125(म). — संविधान के श्रेनुकोर 30% के परन्तुक द्वारा भवस सवितयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति भी भारतीय रेश स्थापन सहिता, जिल्ल-1 (प्रयम पुनर्मृत्रण) के नियम 730 में अनुसन्तक के अनुसार संशोधन करते हैं।

वे संगोधन 01-04-1976 से प्रभावी होंगै।

[सं. ई (पी एंड ए)II/३६/मार एस-15]

# यमुनंब

स्रातिम शुक्रिपत सं. 433 स्था.I

मियम 730

नियम 730 के नीचे टिप्पण को निम्नलिखित हारा प्रतिस्थापित किया खाये:---

टिप्पण :

आशन भरते के इसवार कर्मजारिष्ट के मामले में, रेस तंबत के छुट्टां पर आने के महोने से तरताल पूर्व के 12 महीनों के बीरान घर्णित घौसत चालन भरता भामिल होना, परस्तु यह संबोधित बेतनमाण में उसो घर्वींघ के लिये गये बेतन के प्रीसत का घिक्ष से प्रधिक 45 मित्रत होना। एक मास दे घनीयन बनीय के मामलों में एक बार निर्धारित घोसत चानन भरता विश्व वर्ष को बोब घरविंध के बौरान सागू रहेगा।

[प्राधिकारः रेंसे संकालय का वि. 22-31976 का पत्र सं.पौ सी. 3/78/प्रार.प/1] स्पटीक रण भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ल-! [प्रयम पुनर्नुबण-1971 सस्मरण] के नियम 230 की राष्ट्रपति के मनुनीवन से जारी 1-4-1976 से प्रभावी प्रणासनिक मनुदेशों के माहबम से प्राणीयित किया गया है। सीसरे केन्द्रीय बेतन प्राणीय द्वारा संस्तुत संशीधित वेतनभानी की लागू करने के कारण प्रव भनुदेशों की प्रावध्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का आगय, प्रणासनिक मनुदेशों की छत्ता तारीव्य से कानूनी पंकित प्रवाब करना है, जिस तारीव्य से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन निवमों के भूतनको प्रभाष से किस। भा कर्यवारी पर, जिस पर में नियम लागू होते है, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1125 (B):—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Pirst Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No.E(P&A)H/87/RS/15]

## ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO.433 R.I.

**RULE 730** 

Note under Rule 730 may be substituted by the following:

"NOTE:—In the case of staff entitled to running allowance pay shall include the average running allowance carned during the 12 months immediately preceding the month in which a railway servant proceeds on leave, subject to a maximum of 45% of average of the pay in the cavised scales of pay, drawn for the same period, the average running allowance once determined remaining in operation during the remaining part of the financial year in cases of leave not exceeding one month".

AUIHORITY: [Ministry of Railway's letter No. PC-III/75/RA/1 dated 22-3-1976]

# EXPLANATION:

The Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (ist reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Contral Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules with not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1126(म), ---संविधान के भनुक्छेद 309 के परस्तुन हारा प्रदत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो घारतीय देल स्थापन संदित, जिल्ब-I (प्रयम पुनर्नुहम्) के नियम 730 में भनुष्यक के भनुसार संमोधन करते हैं।

ये संजोजन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं. इ (पी एंड ए) II/80 मार एस-10]

# ग्रन्बंध

कतिम मुजिपत सं. 441 स्था.-1

नियम 730

नियम 730 के नोचे ढिप्पण को निम्नीनिधित द्वार। प्रतिस्थापित किया कार्योः --- .

"टिप्पण: चालन भर्तों के इक्षवार कर्मचारितृस्य के मामले में, "विचन" में भारत भर्तों में बेतन तस्य के रूप में संशोधित येतनमान में मृक्ष वेतन का 30 प्रतिभात भी शामिल होगा।

[प्राप्तिकार: रेल मंत्रालय का वित्तांक 17-7-1981 का पक्ष सं. ई (पी एंड ए) 2/80/पार एम 10]

## स्पष्ट(मारण:

मारतोय रेल स्थापना सहिता, जिल्द- (प्रथम पुनर्गुडन) के नियम 270 को राष्ट्रपति के अनुमोदन में जारों 1-8-1901 से प्रमाशी प्रशासनिक अनुदेशों के माध्यम से धाशोजित किया गया है। जालन मत्ता समिति (1980) की निकारिणों पर सरकार द्वारा निए गए विनिश्चयों के कारण इन अनुदेशों को भावस्थलता हुई थो। इस संशोधन का धाशय प्रशासनिक अनुदेशों को असो तारीख से कानूमी धिक्त प्रवान तरना है, जिस तारीख से उन्हों प्रशास पा था। यह प्रमाणित किया जाता है हि इन निनों के न्तरता प्रमान से किसा भो कर्मधारों पर, जिम पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभान नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1126(E):—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amond Rule 730 of Indian Rallway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No.E(P&A)II/86/RS/15]

# ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 441 R.I.

RULE 730

Note under Rule 730 may be substituted by the following:

"NOTE:—In the case of Staff entitled to running allowance, 'Fay' shall also include 30% of basic pay, in the revised scales of pay, as pay element in running allowance.

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981).]

# EXPLANATION:

The Rule 730 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

वात्माति. 1127(म).--संविज्ञान के प्रमुक्छेव 309के परन्तुक हारा प्रयस मिन्तियों का प्रयोग करने दुर, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापन संदिता, णिक्य-1 (पंचन नंहरूरम, 1935) के नियम 903(8) में प्रनृ-गम्नक के प्रनृपार संयोग न करते हैं।

ये सशीधन 01-01-1987 से प्रभाषी होंगे।

सं ई (भी एंड ए) II/86/श्रार एस 15]

अनुलग्नक

पुष्ट 91, गियम 902(8)-"वेसन"

मुख्य परिभाषा में निम्नलिखित को मतिम वावप के कप में जोड़ वें--

"र्रांमिय कर्मधारियों के मामले में भर्तिक्य निश्चि में निर्णेय भंगदान के लिए देता में, सलय-पमय पर प्रशासनिक अनु-वेगों के माध्यम से सरकार द्वारा यथा श्रक्षिभूचित र्रानम भर्ते में वेतन सम्बक्त धोतन एक निरिवत घटक शामिल होगा।

G.S.R. 1127 (E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 300 of the Constitution, the President is pleased to a non-I Rule 902(8) of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Fifth Edition, 1985) as in the Annexure.

Tas a noningut will be effective from 01-01-1987.

[No. E (P & A)II/86/RS/15]

## ANNEXURE

Page 91, Rulo 902 (8)-'Pay'.

Add the following as the last sentence in the main definition:—

"In the case of running staff the pay for special contribution to Provident Fund will include a fixed component representing the pay element in the running allowance, as notified by the Government through administrative instructions from time to time".

सा.का.नि. 1128(म):---संविधान के अनुच्छेर 309 के परस्तुक द्वारा प्रक्त गक्तिकों का प्रभाग करते हुए, राष्ट्रगति जी भारतीय रेख स्थापना संहिता जिल्द-1 (प्रथम पुनर्गुद्रण) के नियम में अनुलग्नक के अनु-सार संशोधन करते हैं।

में संशोधन -----से प्रभावी होंगे।

[नं र र्(पो॰ एंड ए॰) II/86/धार• एस॰ 15] सनुबन्ध

श्रक्षिम मुद्धिपत्र सं. 434 स्वा.-I

नियम 903

नियम 903(1) के नीचे दिप्पण (1) को निम्निविश्वित हारा इतिक्यापित किया जाये:--

"भारत कर्ननारिवृग्य के मामते में, संगोधित येततशान में वेतन के 48 प्रतिगत तक चालन भता।"

[प्राधिकार :---रेल मंत्रालय का दिनोत्त 22-J-1976 का पत सं. पी सी-3/75-पार ए/1]

स्वदरीक रण

धारतीय रेल स्थापन संहिना, जिल्द-I (प्रयम पुनर्गुत्रण-1971 संस्करण) के नियम 803 की राष्ट्रपति के धनुमोदन से जारो 1-4-78 से प्रभावो ग्रजामनिक श्रमुदेशों के माध्यम से श्रामोधित किया गया है। तीसरे केस्ब्रोय

ANNEXURE

वैतन ध्रायोग द्वारा संस्तृत संगोधित वैत्तनमानी को लागू करने के कारण इन अनुदेशों को प्रावश्यकता पड़ी थी। इस संगोधित का आयार 4 प्रणापितक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रवान करना है, जिन कारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाना है कि इन नियमों के भूतनकी प्रभाव से किसी भी कर्मचारो पर जिला पर में नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रमाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1128(E):-In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleated to amend Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The animal ment will be effective from 01-04-1976.

[No. E (P & A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 434 R.I.

**RULE 903** 

Note (i) under Rule 903(1) may be substituted by the following:—

"In the case of running staff, running allowance to the extent of 45% of pay in the revised scales of pay."

AUTHORITY: (Ministry of Railways lotter No. PC-III/ 75/RA/1 dated 22-3-1976).

#### EXPLANATION:

The Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Viling I (Ist reprint) has been midified through Administration instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to those rules will not alversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का. नि. 11.29(म्न): -- संविधात के सन्वेड 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त यक्तियों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापना संहिता जिल्द-I पंचम संस्करण, 1985 के नियम 902(5) में भनुसानक के प्रयुक्षार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01 01 1937 से प्रभावी होंते।

[सं. ई(वो. एंड ए.) [I/86/आर.एस. 15]

# ग्रनुलग्नक

पुष्ठ 00 नियम 90?(5)-"परिपष्टियां"

मद (1) देः वर्तमान परन्तुक को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित करें:---

"रिनित - भर्त के हत्तवार माह "ज" श्रीर मन्ह "व" रेत सेवत की सामिक परिलब्बियों में समय-समय पर श्रकासनिक अनु-देशों के माध्यम से सरकार द्वारा यथा श्रीक्ष्मित रॉनित श्रेती में वेतन तत्त्व का छोत्रक एक निश्चित संधटक शामिल होता।"

G.S.R. 1129(E).—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 30) of the Constitution, the President is pleased to a nend Rule 902(5) of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Fifth Edition), 1985 as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1987.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

Page 90, Rule 902(5) - Emoluments.

Substitute the following instead of the existing proviso-

"The monthly empluments of a Group 'C' and Group 'D' Railway servant entitled to running allowance shall include a fixed component representing the pay element in the running allowance, as notified by the Government through a liministrative instructions from time to time."

मा.का.ति. 1130(अ):--मिवधान के घतुन्छेद 309 के परम्कुक द्वारा प्रदल क्षविनयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रैल स्यापना संहित्त जिल्दर-[ (प्रयम पुनर्मुक्रण) के नियम 903 में धनुलग्नक के धनुसार संगोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई.(पी एंड ए.)H/86/भार.एस. 15]

**अमुब**म्ध

व्यक्रिम मुजिपन सं. 442 स्था. 1

नियम 903

उप नियम (1) के नीचे टिप्पग (i) को निम्मलिखित द्वारा प्रति-स्पापित किया जाये:-

"टिप्पण" चालन कर्षनारिवृत्य के मामने में चारा पने में वेतर सत्त्र के रूप में, संगोधित वेतनगत में गूल वेतन का 30 प्रतिकत।

प्राधिकार: ~-रेल मंत्रात्य का वि. 17-7-1981 का पत्न सं. ६. (ती. एंड ए.)-2/80/प्रार. एव.-10)।

स्पष्टीकरण :--

भारतीय रेल स्थापना संहिता के नियम 900 को राष्ट्रपति के प्रनुमीवन से आरो 1-9-81 से प्रभाशो प्रतापिक अनुदेशों के माध्यम से प्राथानिक किया गया है जाता भना समिति (1930) को मिकारिकों पर सरकार द्वारा किये गये विनिक्त्य के कारणं इन अनुदेशों को आवश्यकता हुई थी। इन संगोत्रत का भागत प्रधायनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रवान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारो किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूततकी प्रभाव से किसी भो कर्मचारों पर, जिन पर वे नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पर्नेगा।

G.S.R. 1130(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 903 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 442 R.I. RULE 903

Nate (i) under sub-rule (1) may be substituted by the following:

"NOTE:—In the case of running staff, 30% of basic pay, in the revised scales of pay, as the pay element in running allowance."

AUTHORITY: (Ministry of Railways' letter No. E(P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981.)

## **EXPLANATION:**

The Rule 903 of Indian Rallway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of three amendments is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1131(म).—संविधाप के धनुष्ठीव 300 के परन्तुक धारा प्रवन्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेम स्थापना संहिता, जिल्ल-—I (प्रयम पुनमु अप) के नियम 1107 में फ्रनुलब्नक के धनुसार संशोधन करते हैं।

ये सलीधन 01-04-1976 से प्रभावी होंने ।

[सं. र्ष (पी एंड ए)/II/86/झार एस 15]

मनुबंध

श्रीम नुदिपत्र सं. 43 इस्पा. 1

नियम 1107

उप नियम (3) की निम्नांसखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये :---

"इस प्रयोजन के लिए "बेतन" प्रक्षिण्ठावी बेतन होना और इसमें बालन इसा बामिल होना जो बालन कर्मबारिवृत्य के मामले में संबोधित बेतन-मान में प्रक्षिण्ठायी येसन का अधिक से अधिक 45 प्रतिज्ञत होगा।"

(प्राधिकारः रेस मंद्रालय का विनांक 22-3-1976 का पन्नसं. पी सी 3/76)बार  $\sqrt{2}$ 

# स्पष्टीकरण :---

भारतीय रैल स्वापन संहिता, जिल्द I (प्रथम पुनमुँकण---1971 संस्करण) के नियम 1107 को राष्ट्रपति के प्रनुभोदन से जारी 1-4-76 से प्रमावी प्रशासनिक प्रनुदेशों के साध्यम से प्राशोधित किया गया है। तीसरे के जीय वेतन प्रायोग द्वारा सस्तुत संशोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन प्रनुदेशों को आवस्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का प्राथय प्रशासनिक अनुदेशों को अवस्यकता पड़ी थी। इस संशोधन का प्राथय प्रशासनिक अनुदेशों को उसी तारीच से कानूनी विकत प्रवान करना है, जिस तारीच से उन्हें जारी किया गयाथा। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतनशी प्रथाय से किमी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1131(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to a nend Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Flist Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976.

[No. E(P&A) II/86/R8/15]

**ANNEXURE** 

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 435 R.I.

E RULE 1107

The sub-rule (3) may be substituted by the following :-

" 'Pay' for this purpose shall be substantive pay and shall include the running allowance subject to a maximum

of 45% of substantive pay, in the revised scales of pay, in the case of running staff."

AUTHORITY: (Ministry of Railways' letter No. PC-III/75/ RA/1 dated 22-3-1976.)

#### **EXPLANATION:**

The Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code, Volunci I (1st reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the instruction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not a iversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1132(प्र).--संविधान के प्रतृष्टिव 309 के परम्युक द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी जारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्ल--- [(प्रयम पुतर्मृद्रण) के नियस 1107 में प्रतृष्टानक के प्रमुखार संशोधन करते हैं।

में संशोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं. व (पी एंड ए)/I]/86/मार एस 15]

प्रगुवंध

# श्रमित सुद्रिपत सं. 443 स्या 1

नियम 1107

जप नियम (3) को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जामे :---

"इस प्रयोजन के लिए 'वेतन' अधिष्ठायी वेतन होया और इसमें पालन भत्ते मेचेतन तत्व के रूप में संशोधित वेतनमान में मूल वेतन का 30 प्रतिशत भी मामिल होगा।"

(ब्राधिकार:---रेज मंत्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पत सं. ई (थी एण्ड ए)-2/80/बार एस-10)

# स्पद्धीकरण

भारतीय रेल स्थापना संहिता के नियम 1107 की राष्ट्रपति के धनुमोदन से आरी 1-6-81 से प्रभावी प्रकासनिक धनुदेशों के माध्यम से धाणीधित किया गया है। वालन भत्ता समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किये गये विनिध्ययों के कारण इन धनुदेशों की धावश्यकता हुई थी। इस संशोधन का भावय प्रवासनिक धनुवेशों को उसी तारीख से कानूनी विस्स प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया या । यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के मूतलशी प्रभाव से किसी धी कर्मवारी पर, जिस पर ये नियम सानू होते हैं, प्रतिकृत प्रमाव मही पड़ेगा।

G.S.R. 1132(E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1107 of Indian Rajiway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E. (P&A)II/86/RS/15]

#### ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 443 R.I. RULE 1107

The sub-rale (3) may be substituted by the following:-

"'Pay' for this purpose shall be substantive pay and shall also include 30% of basic pay; in the revised scales of pay, as the pay element in running allowance."

AUTHORITY: (Ministry of Railways' letter No. E (P&A) II-80/RS-10 dt. 17-7-1981)

## EXPLANATION .

The Rule 1107 of Indian Railway Establishment Code Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of these amendments is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. नि. 1133(भ).—-संविधान के धनुक्छेथ 309 के परम्नुक द्वारा प्रदश्त पांक्तयों का प्रयोग करते हुए, राष्पति की भारतीय रेल स्थापना संहिता, जिल्द--- (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1108 में धनुकानक के धन्सार संगोधन करते हैं।

में मंश्रीधम 01-04-1976 से प्रशाबी होंगे।

मिं.ई (पी एंड ए) 11/86/बार एय-151

# भनुबंध

श्राविम श्राद्धिपन्न मं 436 स्था 1

लियम 1108

उप नियम 5(ख) को निम्नलिखिल से प्रतिस्थापित किया जाये .--

"खण्ड (क) के प्रयोजन के लिए बेतन से अभिप्राय अधिष्ठायी बेजन से हैं और जिसमें स्थानापन्न बेतन, सिक्षेष बेतन और वैयक्तिक बेतन जामिल हैं। चासन भरों के हकदार कर्मचारिवृन्द के मामले में उसके बेतन में संशोधित बेतनमान में चासन असा मी मामिल होगा, जो बेतन का अधिक से अधिक 45 प्रतिशत होगा।"

उप नियम 5(ख) के नीचे टिप्पण की निम्निमित्रन हारा प्रतिस्थापित किया जाये ---

**ं**टिच्यन ,

किसी रेल सेवक की छुट्टी की प्रविध के दौरान, 'देलन' रेल सेवक के धिष्टायी बेतन, वैयमितक नेतन और विषेष वेतन, यदि कोई हो, को भिलाकर माना जाना चाहिए। चालन कर्मचारियों के मामले में अधिष्टायी बेतन में बह चारान भक्ता, जो रेल सेवक ने उम प्रविध के दौरान लिया होता, आभिल माना जाना चाहिए, परन्तु यह कंणोधित बेतनसान में ऐसे घर्त के 45 प्रतिशन से अधिक नहीं होगा।"

(त्राधिकार: रेल मक्षालय का दि 22-3-1976 का पत्न मं, पी सी 3/78/ भार 0/1)

स्पष्टीकरण

भारतीय रेल स्थापना संहिता, त्रिन्द I (प्रथम पुनर्मुत्रण 1971 संस्करण) के नियम 1108 को राष्ट्रपति के धनुमोदन से जारी 1-4-76 से प्रभावी प्रभासिक अनुदेशों के माध्यम से प्राणोधित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन प्रायोग द्वारा संस्तुत संभोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन प्रनुदेशों की प्रायक्यकता पड़ी थी। इस संबोधन का प्रायय प्रशासनिक धनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी शक्ति प्रवान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलकी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रशिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1133 (E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution the President is pleased to amend Rule 1108 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1976. [No. E. (P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 436 R.I.

**RULE 1108** 

The sub-rule (5)(b) may be substituted by the following:-

"'Pay' for the purpose of Clause (a) means substantive pay and includes officiating pay, special pay and personal pay. In respect of staff entitled to running allowances, it also includes running allowance subject to a maximum of 45% of pay, in the revised scales of pay."

The Note under sub-rule (5)(b) may be substituted by the following:

"NOTE: During the period a railway servant is on leave, 'Pay' should be taken to mean the railway servant's substantive pay plus personal pay and special pay, if any. In the case of running staff, substantive pay should be held to include running allowance which the railway servant would have drawn druring the period, subject to such allowance not exceeding 45% of his substantive pay, in the revised scales of pay."

AUTHORITY: (Ministry of Railways' letter No. PC-III/75/RA/1 dated 22-3-1976).

# **EXPLANATION:**

The Rule 1108 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (this reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect give at o these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.ति. 1134(प्र).—संविधान के अनुष्कीय 30 के परन्तुक द्वारा प्रवस गाक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेक्ष स्थापन संहिता, जिल्द-1 (प्रथम पुनर्मुद्रण मंस्करण) के नियम 1108 में अनुसन्तक के अनुपार संगोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-08-1931 से प्रभावी होंगे।

[संई (पौ एंड ए) 1 1/86 /भार एस 15]

भन्बस्य

# भूपिम श्क्षिपता सं. 444 स्था. 1

नियम 1108

उप नियम (5)(च) को निम्नलिबिंग द्वारा प्रतिस्थापित किया जार्य:--

"खण्ड (क) के प्रयोजन के लिए बेतन से प्रतिशय प्रक्षिण्यायो बेतन से हैं और इसमें स्थानापन्त वेतन, विशेष बेतन जोर वैशिक्तक चेतन सामिल है। चालन भाने के हकशर कर्नवारितृत्य के मामिल में इन वेतन में चालन भाना में बैतक तरब के रूप में, संशोधित वेतनमान में मूल वेसन का 30 प्रतिस्ता भी सामिल है।

[प्राधिकार:---रेल मंत्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पत्र सं. ध्री (पी प्रकर) 2/80/मार एस-10]

# स्पष्टीक रण

भागतीय रेल स्थापन संित्ता के नियम 1108 को राष्ट्रपति के अनुभावन से जारी 1-8-81 से प्रभावी प्रशासनिक अनुदेशों के भाव्यम से आशोधित किया गया है। ज्ञालन भत्ता समिति (1980) की सिफारिशों पर सरकार द्वारा किये गये निशिवयों के कारण इन अनुवैशों की आवश्यकता हुई थी। इस संशोधन का भागय प्रशासनिक अवेनुशों की उसी तारीजा से कानूनी शविक प्रवास करना है, जिन तारीजा से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाना है कि इन नियमों के भूतलकी प्रभाव से किसी भी कर्मजारी पर, जिन पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G S.R. 1134 (E):— In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1108 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E (P&A)II/86/RS/15]

**ANNEXURE** 

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 444 R I. RULE 1108

The sub-rule (5)(b) may be substituted by the following:-

Pay for the purpose of Clause (a) means substantive pay and includes offi lating pay, special pay and personal pay. In respect of staff entitled to running allowances, it also includes 30% of basic pay, in the revised Scale of pay, as the pay element in running allowance."

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No. E (P&A II-80/RS-10 dt. 17-7-1981].

# **EXPLANATION:**

The Rule 1108 of Indian Rajlway Establishment Code, Volume I, (First Reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-8-1931. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Ruming Allowance Committee (1980)'. The purpose of these amendments is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is cortified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1135(म).-संविधात के मनुक्तेत्र 309 के परन्तुक हारा प्रवस्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रगति मो भारतीय रेख स्थापन संहिता, जिल्द-1 (पंचम पुतर्नुप्रण) के नियम 1302 में धनुसानह के सनुसार संशोधन करते हैं।

ये संशोधन 01-01-1973 से प्रमावी होंसे।

[सं. ई (पौ एंडए) 1 1/86 /प्रार एम 15]

भन्दस्य

भवित मुद्धिगत सं, 428 स्या. I

नियम 1302

उप नियम (5) के नौबे परन्तुक (11) को निध्नितियित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:--

"चालन भरों के हकदार घराजपहित रेल सेवक की मासिक परि-; सिंब्यपों में, उसके द्वारा महीने के दौरान सौ गयी चालन भरों की-धास्तविक राजि, जो संगोधित बेन्तमान में प्रश्चिक से प्रश्चिक उसके देवन का 45 प्रतिशत तक होगी, जामिल की जायेंगी।

(प्राधिकार: ---रेल मंद्रालय का दिनाक 22-3-1977 का पत्र सं. पी सौ-3/75/मार ए/1 जैसा रेल मंत्रालय के दिनाक 23-6-1976 के सम-संख्यक पक्ष द्वारा संलोधित किया गया।)

स्पद्धीकरण:--

भारतीय रेन स्वावन संहिता, जिल्ड-1 (प्रयम पुनर्न्द्रण-1971 संस्करण) के तियम 1302 को राष्ट्रपति के अनुमानन से आरो 1-1-1973 से प्रभादी प्रवासिक अनुदेशों के म. हथा से आक्रोधित किया गया है। वौसरे केन्द्रीय वेतन आयोग द्वारा संस्कृत संगोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण हन अनुदेशों की आवश्यकता पड़ी थी। इस संगोधन का प्राध्य प्रशासिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी सिका प्रदान करना है, जिस तारीख से उन्हें आरो किया गया था। यह प्रमाणित किया आता है कि इन नियमों के भूतकशो प्रभाव से कियो भी कर्मकारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1135(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution the President is pleased to amend Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure

The amen iment will be effective from 01-01-1973,

[No. E (P & A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO 428 R.I

**RULE 1302** 

The Proviso () under subrule (5) may be substituted by the following;

"The monthly empluments of a non-gazetted railway servant entitled to running allowances shall include the actual angular of running allowance drawn by him during the month, limited to a maximum of 45% of his pay, in the revised Scales of Pay".

(AUTHORITY: Ministry of Railway's letters No. PCIII 75/RA/I dated 22-3-76 and dated 23-6-76).

## **EXPLANATION:**

The Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the introduction with effect from the same date on which the introduction with effect from the same date on which the introduction with effect from the same date on which the introduction with effect from the same date on which the introduction with effect from the same date on which the introduction with effect from the same date on which the introduction with effect from the same date on which the introduction with effect from the same date on which the introduction with effect from the same date on which the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the introduction of the revised scales of pay recommended by the revised scales of pay recommended by the revised scales of pay recommended by the revised scales

सा.का.नि. 1136 (भ) — संविधात के प्रारृश्केर 309 के परश्तुक द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रपति औ भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-र्स (प्रयमपुनर्गुद्रण) के नियम 1302 में प्रतृस्थतक के प्रमृतार संवोधन करते हैं।

ये श्रेत्रोधन 01-04-1979 से प्रभावी होंने।

[सं• ई(वो एंड ए)II/86/बार एस-15]

भनुबन्ध

मग्रिम गुढियम सं. 437 स्था. I

नियम 1302

चय नियम (5) के नीचे परन्तुक (ii) को निम्निविधित द्वारा प्रति -स्थापित किया आर्थे :--

"बालन मत्ते के हकदार मराअपित रेल सेवक को मासिक परि-मन्द्रियों में बालन भर्त के बैतन तस्त्र के का में संतीधित वेतनमान में मूल वेतन का 55 प्रतिकृत भी मामिल किया अधिना।"

[प्राधिकार: रेल मंत्रालय का वि. 17-7-1981 का पता सं. ई (यो युष्य ए) 2/80/घार ए 10]

## सफ्टीकरण :---

सारतीय रेम स्थापन संहिता के नियम 1302 को राष्ट्रपति के सनुमोबन से जारी 1-4-79 से प्रवादी प्रवादनिक प्रनृदेशों के मान्यम से प्राविति किया नया है। बालन मता समिति (1980) की सिकारियों पर सरकार द्वारों किये गये विनिश्वयों के कारण इन प्रमृषेकों को आवश्यकता हुई थी। इन संताजन का आवार प्रतासनिक प्रनृषेकों को उसी तारीबा से कानूनी मन्दि प्रदक्षन करना है, जिस दारीक से उन्हें बारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के मूतलकी प्रधान से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम सामू होते हैं, प्रतिकृत प्रधान नहीं पहेगा।

G.S.R. 1136 (E).—In exercise of 5the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprirt) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-04-1979.

[No. E (P & A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 437 R.I.

**RULE 1302** 

The Proviso (ii) under Sub-rufe (5) may be substituted by the following:—

"The monthly emoluments of a non-gazetted railway servant entitled to running allowance shall also include 55% of basic pay in he revised scales of pay, as the pay element in Running Allowarce."

AUI +DRITY: M 1'stry of Rullways' letter No. E (P & A) II-80/R\$-10 dated 17-7-1981.\*

#### **EXPLANATION:**

The Rule 1302 of Indian Railway Establishment Code, has been notified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These is, mains were necessitated by the Government's decisions on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980). The purpose of this amendment is to give statutory force to the aim distrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued, it is certified that representative effect given to these rules apply.

सा. का. ति. 1137 (प्र). — संविधात के स्वृत्केष्ठ 309 के परम्पुक द्वारा प्रवस्त सक्तियों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द-में (प्रयम पुतर्मुक्रण) के नियम 1309 में प्रमुलग्तक के प्रमुलार संत्रोधन करते हैं।

ये संकोधन 01-01-1973 से प्रवादी होते।

[सं॰ई(पो एंड ए) II/86/मार एस 15]

धनबंध

चित्रम मुक्तिपत्र सं. 429 स्वा. I

नियम 1309

उपनियम (1) के नीचे परंतुक (ii) में दूसरे बाक्य को निक्त सिचित द्वारा प्रतिस्थापित द्विया जाये:---

"सानन कर्मजारिवृध्य के मामने में, नेतर में उप औपत सालन मसे का बारहनां भाग भी जोड़ा जायेगा जो उसने प्रयत्नो सुटी गुरू होने नाले महीने से पहले के बारह महीनों में प्रतिनास सर्जित किया हो, जो उनके यथा उगरिति खा संगीतिश नेतन गान में स्थानानश्र[पूत नेता के, जिर्मात्रोह होई निशेष ने तन उस पथ के नेजनमान का शिस्सा हो तो नह भा शामित होगा, 45 प्रतिशा सक सीमित होगा।

(प्राधिकार: रेल मंत्रालय का वि. 22-3-1976 का पन्न सं. पी. सी., 3/75/भार प्/ा जैसा रेल मंत्रालय के दिनांक 23-6-1976 के समसंख्यक पस द्वारा संशोधित किया गया)।

स्पव्योकरण :

मारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्दा (प्रथम पुनर्ग्वण, 1971 संस्करण) के नियम 1309 को राष्ट्राति के सनुमोदन से जारी 1-1-1973 से प्रवादी प्रवासित प्रमुदेशों के मान्यम से प्रायोधित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन प्रायोग द्वारा संस्तुल प्रपेक्षित वेतनमानों को सागू करने के कारण इन अनुदेशों की धावण्यकता पड़ी थी। इस संतोधन का आसय प्रशासनिक धनुदेशों को उसी गनारीख से कानूनी मस्ति प्रवान करना है, जिस सारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूननशी प्रवास से किसी भी कर्मधारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पढ़ेगा।

G.S.R. 1137(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annerure.

The amendment will be effective from 01-01-1973.

[No. E(P&A)II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 429 R.I. RULE 1309

The second sentence in Proviso (ii) under Sub-rule (1) may be substituted by the following:

"In the case of Running Staff, 1/12th of the Average running allowance earned per month during the 12 months preceding the month ir which his leave begins limited to 45% of the officiating/substantive pay in the revised Scales of Pay, as referred to above, including Special Pay if forming part of the scale of pay of the post shall also be added to that".

(AUTHORITY: Ministry of Railway's letters No. PC III/ 75/RA/i dated 22-3-1976 and 23-6-1976)

#### **PXPLANATION:**

The Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volum: I (Ist reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the Introduction of the revised scales of Pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this animalment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date or which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employae to whom these rules apply.

सा. का. ति. 1138 (म) .—संविधान के मनुकछेव 309 के परुसुक द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ल-I (प्रथम पुनर्मुद्रण) के नियम 1309 में भनुसानक के मनुसार संशोधन करते हैं।

ये संजोधन 01-04-1979 से प्रभावी होगें।

[सं. ई (जी एंड ए) /II/86/पार एस 15]

धनश्रम

भग्निम मुक्षिपत्र से. 438 स्या. I

नियम 1309

उप नियम (1) के मीचे परंतुक (ii) के दूसरे वाक्य को निम्न-लिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाये:--

"कालन कर्मवारिवृध्य के मामले में वालन भर्ते में बेवन का बातक, संतोधित बैतनमान में मूल वेतन का 55 प्रतिवृत भी कोड़ा जामेगा।

(प्राधिकार: रेल मंत्रालय का दि. 17-7-1981 का पत्र सं. ई(पौ एच्ड ए.) 2/80/मार एस-−10)

# स्पष्टीकरण:---

धारतीय रेस स्थापन चेहिता के जिल्ब I (प्रथम पुनर्गृहण) नियम 1309 को राष्ट्रपति के धनुमीयन से जारी 1-4-79 से प्रधायी प्रसा-समिक प्रनुदेशों के माध्यम से धार्मीखित किया गया है। बालन मता समिति (1980) की सिकारियों पर सरकार द्वारा किये गये निवियमों के कारण इन धनुवेशों की प्रावश्यकता हुई थी। इस संयोधन का प्राक्षम प्रकासनिक प्रानुदेशों को उसी तारीखा से कानूनी सक्ति प्रयान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रसाणित किया जाता है कि इन निथमों के भूततती प्रभाव से किसी भी कर्मधारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रमाय नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1138(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amondment will be effective from 01-04-1979.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 438 R.I.

**RULE 1309** 

Tac Second sentence in provise (ii) under Sub-rule (1) may be substituted by the following:—

"In the case of running staff 55% of basic pay, in the revised scales of pay, representing the pay element in Running Allowances shall also be added to that."

AUTHORITY: (Ministry of Railways' letter No. E (P&A) II-80/RS-10 dated 17-7-1981.)

#### **EXPLANATION:**

The Rule 1309 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendation of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा. का. ति. 1139 (प्र) .---संनिधान के धानुक्छेर 309 के परन्तुक द्वारा प्रवत्त प्रक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रनित जो मारतीय रेस स्थापन संहिता, जिल्द-र्रे (पंकन पुनर्मुहंण) के नियम 1502 में ध्रमुसम्बक्त के धनुसार संशोधन करते हैं।

ये संबोधन 01-01-1973 से प्रमानी होंगे।

[सं. ई(पीएंडए) /II/86/मार एस 15]

धनवंध

श्रविम मुखिपत सं. 430 स्था. I

नियम 1502

उप नियम (3) के नीचे परंतुक को निम्नाजिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया भागे:--

"परंतु इन दोनों मामलों में यदि कोई रेस सेवण खालन भत्ते का हकवार है सो बेतन में बहु मासिक बौजत खालन भत्ता भी सामिल होगा जो रेल सेवक ने सेवा छोड़ने के लत्काल पूर्व के 365 पिनों में किये गये चालन कर्तव्य के लिए लिया हो, पर संशोधित बेतनमान में उद्य अविध में लिये गये जीवत बेतन से 45 मितवत तक सोभित होगा।

(प्राधिकार: रेल मंत्रालय का बिनोक 22-3-1976 का पत्न से.पी सी.3/75/मारए/1 जैसा रेल मंत्रालय केवि. 23-6-1976 के धम-संख्यक पत्न द्वारा संकोधित किया गया)ए

ग्रन्थम्य

स्पर्टीकरण :--

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ब 1 (प्रथम पुनर्म्द्रण -- 1971 संस्करण) के नियम 1502 को राष्ट्रपनि के अनुमोदन से आरों 1-17 1973 से प्रभावी प्रंसासनिक अनुदेशों के माध्यम से भागोधित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेसन आयोग हारा संस्कुतसंगोधित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन धनुदेशों की आवस्यकता पड़ी थी। इन संशोधन का मामय प्रशासनिक अनुदेशों को आवस्यकता पड़ी थी। इन संशोधन का मामय प्रशासनिक अनुदेशों को आवस्यकता पड़ी थी। इन संशोधन का मामय प्रशासनिक अनुदेशों को आवस्यकता पड़ी थी। इन संशोधन का मामय प्रशासनिक अनुदेशों को आवस्यकता पड़ी थी। इन संशोधन करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि यन नियमों के भूतलती प्रभाव से किसी भी कर्मवारी पर जिस पर ये नियम लायू होने है, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R 1139(E)—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 1502 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (First Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-01-1973.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 430 R.I.

**RULE 1502** 

The Proviso under sub-rule (3) may be substituted by the following:

"Provided that in respect of a Railway Servant of either case entitled to Running Allowances, pay shall also include the monthly average Running Allowance drawn by the Railway servant during 365 days of running duty immediately preceding the date of quitting service, limited to 45% of average pay for the same period, in the revised scales of pay."

[AUTHORITY: Ministry of Railway's letters No. PCIII/75/ RA/1 dated 22-3-1976 as amended by letter of even number dated 23-6-1976].

# **EXPLANATION:**

The Rule 1502 of Indian Railway Establishment Code, Volume I (Ist reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1140(व): संविधान के प्रतृष्टिय 309 के परस्तुक द्वारा प्रवत्त प्रतितयों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी धारतीय रेस स्थापन संविता जिल्द-1 (प्रयम पुनर्मुद्रण) के नियम 1502 में प्रनुसानक के प्रमुसार संगोधन करते हैं।

में संगोधन 01-04-1979 से प्रभावी होंगे।

[सं ई. (पी एंड ए) 11/86/प्रार, एम 15]

अग्रिम मुक्रियक्ष म 439 स्था. I

नियम 1502

उप नियम (3) के नीचे परस्तुक को निस्तांनिजिन द्वारा प्रनिस्थापित फिया जामे:---

"परस्तु दोनां प्रकार के भामनी में यदि काई रेन कर्मवारी चालन भाते का हकदार है तो बेनन में चालन भाने की बेनन तहन के रूप में संशोधित बेतनमान में मूल नेतन का 55 प्रतिशासी धानिल किया नायेगा।

[प्राधिकार . रेल मझापय का दिनाक 17 7-1931 का पज स ई (पी. एंड ए)-2 /80/प्रार.एन -10]

म्बद्धीकरण

भारतीय रेन स्थापन सीहता के नियम 1502 को राष्ट्रपति के अनु-मोदम से जारी 1-4-79 से प्रभावी प्रयासनिक भन्देगों के माध्यम से भागोधित किया गया है चालन भता समिति (1980) की सिकारियों पर सरकार द्वारा किये गये विनिश्नयों के कारण कन अनुदेशों को आवश्य-कता हुई थी। इस मंत्रोधन का आवाय प्रयासनिक अनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी अक्ति प्रदान करना है, जिन तारीब से उन्हें प्र,रो किया गया प यह प्रमाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतनवा प्रभाव नहीं पहांगा। कर्मचारी पर, जिन पर में नियम नायू होते हैं, परिकृत प्रमाव नहीं पहांगा।

G.S.R. 1140(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the Presient is pleased to amend Rule 1502 of Indian Railway Establishment Cyle, Volume I (Past Reprint) as in the Anaexure.

The a neadment will be effective from 01-04-1979.

[No. E(P&A) II/86/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 439 R.I.

**RULE 1502** 

The proviso under sub-rule (3) may be substituted by the following:

"Provided that in respect of a railway servant of either case, entitled to running allowances, pay shall also include 55% of basic pay, in the revised scales of pay as the pay element in Running Allowances."

[AUTHORITY: Ministry of Railways letter No. E(P&A)II-80/RS-10 dated 17-7-1981.]

# EXPLANATION .

The Rule 1502 of Indiar Railway Establishment Coder' Volume I (First Reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decisions on the recommendations of 'Running Allonance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का. ति. 1141(अ):—संबिधान के अनुकड़ेद 309 के परन्तृत क्रारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुंदे, राष्ट्रकृति जो भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्य-II (पंचम पुनर्मृद्रण) के नियम 2003 में अनुसानक के अनुसार संघोधन करते हैं।

ये संघोधन 01-08-1981 से प्रभावी होंगे।

[सं. ई(पी एंड ए) II/86/अगर एस 15]

**मनुबन्ध** 

अप्रिम मुखिपल सं 408 स्वा-II

नियम 2003

उप नियम (2) के नीचे परन्तुरु (ii) को निम्निशिखित द्वारा प्रति स्वापित किया जाये:---

"परस्तु यह और कि चालन भर्ते के हकदार कर्मचारितृत्व के मामले में छुट्टी येनन के प्रयोजन के लिए बौसन बेतन में चालन असे में बैंबन तत्व के रूप में संबोधित जैतनमान में, मूल जेतन का 30 प्रतिकृत भी सामिल होगा।

[प्राधिकारः--रेल मंत्रालय का दिनोक 17-7-1981 का पत्न सं. (पी. एंड ए )-2/80/प्रार,एस. 10]।

स्पष्टीकरण .---

मारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ह (II) (वांचवा पुनर्नृत्रण) के नियम 2003 को राष्ट्रपति के अनुमोबन से जारी 1-8-1981 से प्रभावी प्रकासनिक अनुदेशों के माध्यम से धाशोधित किया गया है। चालन मता ग्रमित (1980) की सिकारियों पर सरकार द्वारा किये गये विनिश्चयों के कारण इन अनुदेशों की धावध्यकता हुई थी। इन संशोधन का प्रावय प्रभासनिक अनुदेशों को उसी वारीक से कानूनी शावित प्रदान करना है, जिम तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रभाजित किया जाता है कि इन नियमों के भूतसकी प्रभाव से किसी भी कर्मवारी पर, जिल पर मे नियम सागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पड़ेगा।

G.S.R. 1141(E).—In exercise of the powers conferred by the provise to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 2003 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure.

The amendment will be effective from 01-08-1981.

[No. E (P&A)II/86/RS/15]

**ANNEXURE** 

## ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 408 R.II

**RULE 2003** 

Proviso (ii) under sub-rule (2) may be substituted by the following:

"Provided further that in the case of Staff entitled to running allowances, average pay for the purpose of leave calary shall also include 30% of basic pay, in the revised scales of pay, as the pay element in Running Allowance."

[AUTHORITY: Ministry of Railway's letter No. E. (P&A)II-80/RS-10 dt. 17-7-1981].

# **EXPLANATION:**

The Rule 2003 of the Indiar Railway Establishment Code. Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-5-1981. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of those amendments is to give statutory force to the administrative instructions

with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to those ries will not adversely affect any employee to whom those rules apply.

सा.का. ति. 1142(अ).--मंत्रियात के अतुक्केद 309 के परस्तुक द्वारा प्रवत्त कक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रशति की भारतीय रेश स्थापन संहिता जिल्ल-II (पंचम पुनर्नृहण) के नियम 2003 में अनुनग्नक के अनुसार संनोबन करों हैं।

ये संतोधन 01-04-1976 से प्रमानी होंने।

[संई (पी एंड ए) 11/86/ आर एस 15]

अनुबन्ध

थविम मुद्धिपन्न स.+406 स्था.II

नियम 2003

उन्न नियम (2) के तीचे परम्बुक (ii) को निम्त्रनिश्चित द्वारा माते-स्वापित किया आये:---

"परम्तु यह और कि वालन असे के हरुवार कर्मचारिकृष्ट के मानसे में, छुट्टी बेतन के पयोशन के निर्देशीया वेतन में जामित होगा, वह असित वालन भवा जो रेन देशक ने छुट्टी बाने महीने से तः कान पूर्व के बारह महीनों में भीजा किया हो, परन्तु यह संवोधित वेत्तनात में उसी अविव के लिए वेतन के औसन के 45 प्रतिज्ञात से मिलक नहीं होगा। एक मास से भनिवक छुट्टी के मामलों में एक बार निर्वारित वीपन बालन दता वित वर्ष की बीप मन्नि में आपूरहेता।

[प्राधिकार :---रेल मजानेय का दि. 22-3-1976 का गुप्त स. यी सी.-3/75/प्रार.ए./1]

स्पर्धाकरण

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्स II (पांचया पुनर्मुक्षण) के नियम 2003 को राष्ट्रपति के प्रनुमोदन से जारी 1-4-76 से प्रभावी प्रभासनिक प्रनुदेशों के माध्यत से प्राथोधित किया गया है। तीतरे केन्द्रीय बेतन नायोग द्वारा संस्तुत संशोधित बेतनमानों को लायू करने के कारण इन प्रनुदेशों को प्रावश्यकता पड़ी थी। इस संशोधित का प्राथय प्रभासनिक प्रनुदेशों को उसी तारीख से कानूनी प्रक्ति प्रधान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रमाणित किया जाता है कि इन मियमों के भूतनकी प्रभाव से किसी भी कमैवारी पर जिस पर ये नियम सागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पढ़ेगा।

G.S.R. 1142(E)—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the Pesident is pleased to amend Rule 2003 of Indian Railway Establishment Code, Volume II(Fifth Reprint) as in the Annexure.

The amondment will be effective from 01-04-1976.

[No. E(P&A)H/56/RS/15]

ANNEXURE

ADVANCE CORRECTION SLIP NO 406 R.II

**RULE 2003** 

P 3V(3) (11) unifor sub-rule (2) may be substituted by the following:

"Provided further that in the case of staff entitled to running allowances, average pay for the purpose of leave valury sholl include the average running allowance earned during the 12 months immediately preceding the month in which a railway servant proceeds on leave, subject to a maximum of 45% of average of the pay in the revised scales of pay, for the same period, the average running allowance once the termined remaining in operation during the remaining part of the financial year in cases of leave not exceeding one month.".

AUTHORITY: Ministry of Railway's letter No. PC-III/75/ RA/1 dated 22-3-1976).

# **EXPLANATION:**

The Rule 2003 of Indian Railway Establishment Code Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with resident's approval effective from 1-4-1976. These instructions were necessitated by the introduction of the revised scales of pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not adversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.ति. 1143(भ) — संविधान के प्रमुच्छेद 309 के परम्नुक द्वारा प्रवत्त सक्तियों का प्रयोग करते हुए, राज्य्रपति जी भारतीय रेस स्थापन संविता, जिल्द II (पंचम पुनर्मुद्रण) के नियम 2544 में अनुसामक के प्रमुखार संवीधन करते हैं।

में संशोधन 01-01-1973 से प्रभावी होंने।

[सं. ई (पी एंड ए) 11/86/जार एस-1.5]

**प्रत्व**स्थ

श्रप्रिम शुक्रिपत्र सं 405 स्या. II

**नियम 2544** 

उप-नियम (छ)(i) और (छ)(ii) की निम्निसिखित द्वारा प्रतिस्थादित किया नामें '---

छ(i) अप्रैसत परिवर्गिधयों के गरिकानन के प्रयोजन को सिए >---

संशोधित वेंतनमाम में रेल सेवक द्वारा महोने के दौरान ली ययी भागम भर्त की वास्तविक राभि जो बेतन के श्रधिक से श्रधिक 45 प्रतिक्रत तक सीमित है।

छ(1i) उपवान और/प्रयम भृत्यु एवं सेवा निवृत्ति उपवान के प्रयोजन के लिए सेवा—छोड़ने के नत्काल पूर्व के 365 दिनों के बालन कर्तव्य के दौरान संबोधित बेतमलान में लिये गये जालन मसे का मासिक भीमत को उसी ग्रवधि के दौरान लिये गये औसत वेतन के 45 प्रतिणत तक सीमित हो।

(शाधिकार 'रेल मंत्रालय का दिनांक 22-3-1976 का पत्न स. पी सी 3/75/कार ए/1 जैसा रेल मंत्रासय के दिनांक 23-6-1976 के सन-संडयक पंत्र द्वारा संसोधित किया गया)

स्पष्टीकरण :---

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्द II (पांचनां पुनर्मू बण) के नियम 2544 की राष्ट्रपति के भनुमोदन से आरी किया गया है।

1-1-1973 से प्रभावी प्रशासनिक अपृथेशों के माध्यम से झाशोबित किया गया है। तीसरे केन्द्रीय वेतन धायोग द्वारा संस्तृत संनोदित वेतनमानों को लागू करने के कारण इन अनुवेशों की झावश्यकता पढ़ी वी। इस संनोधन का झाख्य ध्रणासनिक अनुवेशों को उसी तारीक से

कानूनी सक्ति प्रवान करना है, जिस तारीख से उन्हें आरी किया गया या।
यह प्रभाषित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलक्षी प्रमाव से किसी
भी कर्मवारी पर जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं
पड़िगा।

G.S.R. 1143(E):—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President is pleased to amend Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure

The amendment will be effective from 01-01-1973.

[No.E(P&A)II/86/RS-15]

#### **ANNEXURE**

# ADVANCE CORRECTION \$LIP NO. 405 R.II.

## **RULE 2544**

Sub-rule g(i) and g(ii) may be substituted by the following:

- "For the purpose of calculation of average emoluments:—actual amount of running allowance drawn by the railway servant during the month limited to a maximum of 45% of pay, in the revised Scales of Pay".
- g(h) "For the purpose of gratiuty and/or death-cumretirement gratuity:—the monthly average of running allowances drawn during the 365 days of runuing duty immediately preceding the date of quitting service limited to 45% of average pay drawn during the same period, in the revised scales of pay."

(AUTHORITY: Ministry of Railway's letters No. PCIII/
75/RA/1 dated 22-3-1976 as amonded by
letter of even number dated 23-6-1976)

# EXPLANATION:

The Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with the President's approval effective from 1-1-1973. These instructions were necessitated by the introduction of the revised Scales of Pay recommended by the Third Central Pay Commission. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to these rules will not a iversely affect any employee to whom these rules apply.

सा.का.नि. 1144(अ).—संविधान के अनुच्छेर 309 के परस्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी भारतीय रेस स्थापन संहिता, जिल्द-II (पंचम पुनर्भुद्रण) के नियम 2541 में झनुषम्नक के अनुमार संजोधन करते हैं।

ये संमोधन 01-04-1979 स प्रभावी होने।

[सं ६ (पी एक ए) 11/86/मार एस-15]

% व केटेशन,

निदेशक, स्थापना (वे. एवं म.), रेलवे बोई

सन्**बन्ध** 

# मग्रिम मृक्षिपण में 407 स्था. II

लियम 2544

उप नियम छ(1) और छ(∠) को निम्निसिश्वत द्वारा प्रतिस्थापित किया आये:----

छ(1) "औसत परिलब्धियों की नणना के प्रयोजन के लिए :— भ्रथिय के दौरान संकोधिन वैतन मे लिये गर्वे मूल औसत वेतन का 55 प्रतिगत ।"

छ(2) "उपदान और√या मृत्यु और सेवानिवृत्ति उपदान के प्रयोजन के किए,÷-- प्रविध के दौरान संशोधित वैतनमान में लिये गये मूल कौसन वैतन का 55 प्रतिशत।"

[प्राधिकार: रेल मंत्रालय का दिनांक 17-7-1981 का पत्न सं. ई (भी एण्ड ए) 2/89/घार एस 10]

# स्पष्टीकरण -

भारतीय रेल स्थापन संहिता, जिल्ल 2 (पांचवा पुनर्मुंद्रण) के नियम 2544 को राष्ट्रपति के अनुमीदन से जारी 1-4-79 से प्रभावी प्रणासनिक अनुदेशों के माध्यम से प्रायोधित किया गया है। चालन भक्ता सामित (1980) की सिष्टारिणों पर सरकार द्वारा किये गयं जिनिक्चयों के कारण इन प्रमुदेशों की प्रावश्यकता हुई थी। इस संशोधन का भागप प्रशासनिक अनुदेशों को जसी तारीख से कानूनी प्रक्ति प्रवान करना है, जिस तारीख से उन्हें जारी किया गया था। यह प्रभाणित किया जाता है कि इन नियमों के भूतलकी प्रभाव से किसी भी कर्मचारी पर, जिस पर ये नियम लागू होते हैं, प्रतिकृत प्रभाव नहीं पढ़ेगा।

G.S.R. 1144(E):—In exercise of the powers conferred by the provide to A state 309 of the Constitution, the President

is pleased to amend Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth Reprint) as in the Annexure.

The amen Imont will be effective from 01-04-1979.

[No.E(P&A)II/86/RS/15]

K. VENKATESAN, Director, Establishment (P&A), Railway Board.

#### **ANNEXURE**

# ADVANCE CORRECTION SLIP NO. 407 R.II RULE 2544

Sub-rule g(i) and g(ii) may be substituted by the following:

- g(i) "For the purpose of calculation of average emoluments: 55% of basic average pay, in the revised scales of pay, drawn during the period;"
- g(ii) "For the purpose of gratuity and/or death-cumretirement gratuity: 55% of basic average pay, in the revised scales of pay, drawn during the period."

AUTHORITY: [Ministry of Railways' letter No.E.(P&A) 11-80/RS-10 dated 17-7-1981]

## EXPLANATION:

The Rule 2544 of Indian Railway Establishment Code, Volume II (Fifth reprint) has been modified through administrative instructions issued with President's approval effective from 1-4-1979. These instructions were necessitated by the Government's decision on the recommendations of 'Running Allowance Committee (1980)'. The purpose of this amendment is to give statutory force to the administrative instructions with effect from the same date on which the instructions were issued. It is certified that retrospective effect given to there rules will not adversely affect any employee, to whem these rules apply.